स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

पी. सी. वैद्य

चित्र सामार: http://video.google.com/videoplay?docid=4382862622658562253#

प्रहलाद चुन्नीलाल वैद्य देश के उन गिने-चुने गणितज्ञों में रहे हैं जिन्होंने गणित के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्त्वपूर्ण व दूरगामी योगदान दिया है। वैद्य साहेब न सिर्फ एक मशहूर गणितज्ञ थे बल्कि एक शिक्षाविद भी थे। वे चाहते थे और प्रयास करते थे कि गणित बच्चों के लिए सुगम व रुचिकर बने। वे मानते थे कि गणित सिखाना शायद कठिन है, मगर गणित सीखना कठिन नहीं है क्योंकि गणित तो हमारी संस्कृति का अंग है।

गुजरात के जूनागढ़ में जन्मे पी. सी. वैद्य ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से गणित में पीएच.डी. की और गणित सम्बंधी अनुसंधान में लग गए। आइंस्टाइन के सापेक्षता सिद्धांत के क्षेत्र में उनका योगदान युगांतरकारी माना जाता है। आइंस्टाइन का गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत कुछ निहायत पेचीदा गणितीय समीकरणों के रूप में व्यक्त होता है। इन समीकरणों को हल करना बहुत कठिन है। 1942 में पी.सी. वैद्य ने एक विधि विकसित की जो वैद्य मेट्रिक के नाम से मशहूर है। इसकी मदद से उन्होंने विकिरण उत्सर्जित करने वाले किसी तारे के गुरुत्वाकर्षण के संदर्भ में आइंस्टाइन की समीकरणों का हल प्रतिपादित किया। उनके इस काम ने आइंस्टाइन के सिद्धांत को समझने में मदद दी और वैद्य मेट्रिक एक महत्त्वपूर्ण औज़ार बनकर उभरा।

पी.सी. वैद्य गांधी के विचारों से प्रेरित थे और आज़ादी के आंदोलन में भी शरीक रहे। 1930 के दशक में वे अहिंसक व्यायाम संघ से जुड़ गए थे। आज़ादी के बाद वे अहमदाबाद के गुजरात विद्यापीठ और वेडछी (सूरत) के गांधी विद्यापीठ के कुलपति भी रहे।

गुजरात मेथेमेटिकल सोसायटी के गठन में वैद्य साहेब ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और विक्रम साराभाई कम्यूनिटी साइन्स सेंटर के विकास में भी अहम योगदान दिया।

गुजरात में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे विभिन्न प्रगतिशील प्रयासों को पी. सी. वैद्य का पूरा समर्थन प्राप्त रहा।

12 मार्च 2010 को इस महान गणितज्ञ, गांधीवादी व शिक्षाविद का निधन हो गया।

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी